एक नजर में

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन

. विद्यार्थियों को विभिन्न जानकारी से अवगत कराया

नेपानगर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस पंडित जवाहरलाल नेहरू शासकीय महाविद्यालय नेपानगर में प्राचार्य डॉ मनीषा साकल्ले के मार्गदर्शन में तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। डॉण् संजीव कुमार सपकाले ने ऑनलाईन प्लेटफार्म पर उपलब्ध कोर्सेस के लिए स्वयम पोर्टल की जानकारी प्रदान की। साथ ही समस्त छात्रवृत्तियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। योहन परिहार ने स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ से जुडी जानकारियों से नवागत विद्यार्थियों को अवगत कराया। चंद्रपाल सिह रावत ने भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ में उपलब्ध भारतीय संस्कृति से जुडी पुस्तकों का अध्ययन करके ज्ञान में वृध्दि करने हेतु प्रेरित किया और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया। बसंत कुमार सोनी ने कहा कि यह आपका अपना महाविद्यालय हैंए इसका नाम रोशन करने का दायित्व भी आप जैसे युवा विद्यार्थियों का हैंए नियमित कक्षाएं आरंभ हो चुकी हैं। समय पर महाविद्यालय आएं और नियमित रुप से कक्षा में अध्ययन करें। डॉण् एमआरण् चौहान ने कहा कि हर विद्यार्थी शहर में जाकर पुस्तकें खरीद नहीं सकताए इसलिए मप्र शासन ने महाविद्यालय में ही विद्यार्थी पुस्तक सहायता केन्द्र की स्थापना कर दीए जिससे विद्यार्थी महाविद्यालय से ही 20 प्रतिशत और 40 प्रतिशत की छूट के साथ पुस्तकें खरीद सकते है। इसके पश्चात नवागत विद्यार्थी को इन समस्त प्रकोष्ठ में भ्रमण भी कराया गया। सचिन यादव ने कहा कि महाविद्यालय में जो भी संसाधन है उसका पूरा.पूरा लाभ उठाइये और अपने भविष्य के सुनहरे पंखों को उडान दीजिएए जहां भी जिस शिक्षक की आवश्यकता होए उनसे नि:संकोच मार्ग.दर्शन लीजिए। इस कार्यक्रम में जागृति अग्रवालए नेहा इंगले व अन्य महाविद्यालयीन स्टॉफउपस्थित था।

कक्षा 6 में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ

बुरहानपुर। प्राचार्य पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में कक्षा 6 की प्रवेश परीक्षा 2026 हेतु ऑनलाईन पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। ऑनलाईन आवेदन करने की अंमित तिथि 29 जुलाईए 2025 है। ईच्छुक अभ्यर्थी बेवसाइट के माध्यम से ऑनलाईन पंजीयन फार्म भर सकते है।

राजस्व अधिकारियों द्वारा कृषि दुकानों का निरीक्षण

बुरहानपुर। कलेक्टर हर्ष सिंह द्वारा गठित दल ने जिले के जिले की विभिनन आदान विक्रेताओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अरिहंत फर्टिलाईजर, बंधूप्रेम एजेंसी, सहारा कृषि केंद्र बुरहानपुर, जैनफर्टिलाइज़र शाहपुर, एश्वर्या कृषि केंद्र, रूद्र कृषि सेवा केंद्र खकनार पर बीलबुक, स्टॉक रजिस्टर, पीओएस मशीन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रेट लिस्ट बोर्ड अपडेट पाए जाने एवं लायसेंस यथा स्थान पर नहीं लगे पाये जानेए उर्वरक विक्रय करते समय खेती से संबंधित जानकारी जैसे बही, खसरा एवं आधार कार्ड की फ्रेटोकॉपी नहीं लेना पायी गयी।

अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान ने संबंधितों को निर्देषित किया किए किसान से संबंधित जानकारी प्राप्त कर ही उर्वरक का विक्रय करे एवं उर्वरक के साथ अन्य सामग्री टेगिंग के रूप में किसानों को नहीं दी जाये, किसानों के मोबाइल नंबर, भूमि से संबंधित दस्तावेज प्राप्त करे, बील पर किसानों का पूर्ण विवरण अंकित किया जावे। निरीक्षण के दौरान बंधूप्रेम एजेंसी, अरिहंत फर्टिलाईजर, एग्रो सर्विस सेंटर, बुरहानपुर में कमियाँ पायी जाने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। जांच दल में दल में एसडीएम अजमेर सिंह गौड़, डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार, उप संचालक कृषि एम.एस.देवके, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीराम पाटील, कृषि विस्तार अधिकारी बी.एस.वास्कले, जितेन्द्र अलावा, तहसीलदार खकनार, प्रतापसिंह जमरे, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी खकनार एवं जे.एस.चौहान कृषि विस्तार अधिकारी शामिल रहे। उपसंचालक कृषि विभाग श्री देवके ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले की अलग.अलग उर्वरक की दुकानों पर कृषि विस्तार अधिकारीयों की ड्यूटी लगायी गयी है, दुकानों पर सतत् निगरानी कर उर्वरक वितरण कराया जायेगा।

हर बीज में है भविष्य की हरियाली :जब जनसहयोग बन जाए संकल्प!

बुरहानपुर। ग्राम डवाली की पहाड़ी आज एक ऐतिहासिक पहल की साक्षी बनीए जब जनसहभागिता और प्रशासनिक दृढ़ संकल्प के संगम से 30,000 पलाश बीजों का सामूहिक रोपण संपन्न हुआ। यह केवल बीज बोने की प्रक्रिया नहीं थी कृ यह भविष्य को हराभरा करने का संकल्प थाए एक ऐसी परंपरा का आरंभ जिसमें प्रकृति से जुड़ाव और जिम्मेदारी का भाव समाहित है। जब जनसहयोग और प्रशासनिक संकल्प एक होते हैंए तब धरती हरी होती है और भविष्य सुरक्षित। छात्र.छात्राएं, शिक्षक, ग्रामवासी, पटवारी, अधिकारी और प्रशासनिक प्रतिनिधि सभी ने एकजुट होकर प्रकृति के इस महायज्ञ में आहुति दी। आज बीजारोपण का नेतृत्व एडीएम वीरसिंह चौहान के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान, डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार, एसडीएम अजमेरसिंह गौड़एनेपानगर एसडीएम भागीरथ वाखलाएजनपद सीईओ वंदना कैंथल ए कृषि उपसंचालक एमण्एसण् देवकेए तहसीलदार दिनेश भवेंदियाएसुधीर गुप्ताएपटवारी शिक्षकगणए गायत्री परिवार के मनोज तिवारी व संजय राठौड़ समेत सैकड़ों लोगों की भागीदारी रही। इस सामूहिक बीजारोपण का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण हैए बल्कि स्थानीय जैवविविधता को सहेजनाए भावी पीढ़ियों को एक हरित धरोहर सौंपना और जनजागरूकता को बढ़ाना भी है। अपर कलेक्टर श्री वीरसिंह चौहान ने कहा . आने वाले पाँच वर्षों में बुरहानपुर पलाश के वृक्षों से हरा.भरा हो जाएगा। डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार ने बताया कि अगला रोपण कार्यक्रम ग्राम चिंचाला की पहाड़ी पर आयोजित होगा।

किसानों का फूटा आक्रोश : अंडरपास निर्माण में जानबूझकर देरी , एकमात्र कृषि मार्ग भी बंद किया

नवभारत न्यूज,

ईच्छापुर । ईच्छापुर एंव उससे लगे ग्रामीण क्षेत्र के सैकडो किसान परिवारो ने राष्ट्रीय राजमार्ग 753 एल के डिजाइन चैन 196 प्लस 718 पर प्रस्तावीत अंडरपास मार्ग निर्माण कार्य में जानबूझकर की जा रही देरी और मुख्य कृषि मार्ग को अचानक बंद किए जाने पर तीव्र विरोध जताया है। किसानो ने इसे सीधा अन्याय और आजीविका पर कुठाराघात करार दिया है। यह मार्ग लगभग 700 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि से जुडा हुआ एकमात्र मुख्य मार्ग है। जिससे 500 से अधिक किसान परिवारो की सीधी निर्भरता है। किसनों की मुख्य फसल केला, कपास, मक्का कपास आदि है। जिनके परिवहन हेतु बडे वाहनो 12 से 14 टायर ट्रक, ट्रैक्टर और बैलगाडियो की नियमित आवजाही होती है।

ग्रामवासीयो ने बताया कि वे बीते कई महीनो से लगातार एनएचएआई, जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियो और राजस्व अधिकारियो को पत्राचार व व्यक्तिगत रूप से ज्ञापन सौपते आ रहे हैं। अधिकारियों द्वारा कई बार स्थल

निरीक्षण भी किया गया है और प्रस्तावित अंडरपास की पुष्टि की गई है । 7 मीटर चौडा और 5. 5 मिटर ऊँचाई वाला एलव्हीयुपी प्रस्तावीत है लेकिन अब तक न तो निर्माण कार्य शुरू हुआ और न ही किसानो को कोई समयसिमा दी गई है।

एकमात्र एन्ट्री पॉइंट बंद :- ट्रैफिक के नाम पर किसानो का पारंम्परीक मार्ग सील । किसानो की कमर तोडने जैसा कदम क्या यह न्याय है। एनएचएआई अधिकारियों और ठेके दार का कहना है कि बायपास चालू होने से हाईवे पर टैफिक अत्यधिक बढ़ गया है , जिससे दुर्धटनाओं की आशंका बनी हुई है। इसी कारण 1 जुलाई 2025 को चैन 196 प्लस 718 पर हाईवे का क्रॉसींग बिन्दु जो किसानो का पारंपरीक मार्ग था । मिट्टी, डबर बजरी और अन्य निर्माण सामग्री डालकर पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, ताकि हाईवे ट्रफिक को उस सेक्षन पर चालू और सुचारु रूप से चलाया जा सके ।

इस प्रक्रिया में किसनों के खेतों से मुख्य सड़क तक जुडने वाला एकमात्र प्रवेश बिंदु मेन एन्ट्री पॉईन्ट पूरी तरह सील कर दिया गया है। स्टिफ रोड ,ढलान वाली संरचना बनाकर यह क्रासींग इस तरह ढक दी गई है कि अब बैलगाडी, ट्रैक्टर और कृषि उपज ले जाने वाले भारी वाहन हाईवे आसनी से पार नही कर सकते।

ग्रामवासीय ने सवाल उठाया है कि यदि टैफिक को सुरक्षित रूप से चलाने के लिए यह क्रॉसींग बंद की गई है तो स्थायी समाधान यानी अंडरपास का निर्माण कार्य तुरंत क्यो नही शुरू किया जा रहा ? क्या यह नीति किसानो की आवाजाही को दबाकर केवल हाईवे टैफिक को प्राथमिकता देने की है?

यह निर्णय केवल हाईवे टैफिक की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। लेकिन किसानो की आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है। यह कदम न केवल असंवेदनशील है बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी है।

पीआईयू की जिम्मेदारी को लेकर भ्रम किसान दौडते रहे दफ्तर.दर.दफ्तर :- एक अन्य गंभीर मुद्दा यह है कि अभी तक यह स्पष्ट नही किया गया है कि इस सेक्शन की जिम्मेदारी खंडवा पीआईयु के अधीन है या जलगांव पीआईयु के । इस अस्पटता के कारण किसानो को दोनो कार्यालयो के चक्कर काटने पड रहे हैं, लेकिन आज तक कोई स्पष्ट जवाब नही मिला।

किसानों की मांगे :- स्पष्ट, तत्काल और निर्णायक कार्यवाही हो

* इच्छापुर ग्रामीण किसान समिति ने प्रशासन और एनएचएआई से निम्नलिखित मांगे की है कि चैन 196 प्लस 718 पर प्रस्तावित एलव्हीयुपी अंडरपास का निर्माण कार्य तत्काल शुरू किया जाए। जब तक अंडरपास पूर्ण नही बनता, मुख्य क्रॉसिंग पॉइन्ट को किसानो के लिए खुला रखा जाए।

* स्टिफ रोड हटाकर पारंपरीक क्रासिंग को बहाल किया जाए, ताकि टैक्टर व बैलगाड़ी की आवजाही संभव हो सके । पीआईयु की जिम्मेदारी, खंडवा या जलगांव स्पष्ट रूप से घोषित की जाए।

* अंडरपास निर्माण के लिए स्पष्ट टाइमलाईन जारी की जाए और इसमें सार्वजनिक जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

ग्रामीणों की चेतावनी:-जल्द समाधान नही हुआ तो होगा बडा जनआंदोलन : ग्रामवासियों ने यह भी स्पिष्ट किया है कि यदि शीघ्र समाधान नही हुआ त वे शांतीपूर्णा लकिन व्यापक स्तर पर आंदोलन शुरू करगें । हमारी जमीने छीनी जा रही हैं, रास्ता बंद किया जा रहा है और अंडरपास भी नही दिया जा रहा । यह अन्याय अब और बर्दाश्त नही किया जाएगा । यह कहना है किसनों का।

नशे के दुष्परिणामों पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी का बच्चों ने किया अवलोकन

गौ लोक धाम गुरुकुल में हुआ नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर । सर्व सेवा संकल्प समिति बुरहानपुर द्वारा श्री राम गुरुकुल ;गायत्री शक्तिपीठ गोलोक धामए खड़कोद में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुकुल के छात्रों द्वारा वेद मंत्रों के उच्चारण से किया गया ।

कार्यक्रम में नशा मुक्ति केंद्र के संचालक डॉ.मनोज अग्रवाल ने बच्चों को नशे के दुष्परिणाम बताते हुए कहा

कि छात्र जीवन, संस्कारों और भविष्य के निर्माण का समय होता है। ऐसे में यदि छात्र नशे की लत की ओर बढ़ते हैं, तो यह केवल उनके स्वास्थ्य के लिए नहीं, बल्कि उनके संपूर्ण जीवन के लिए घातक हो सकता है, वे धीरे.धीरे अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं और उनका भविष्य अंधकारमय होने लगता है।

समाजसेवी श्रीमती सरिता भगत ने कहा कि नशा केवल शरीर को ही नहीं, परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी प्रभावित करता है। मनोज महाजन ने बच्चों को समझाते हुए कहा कि नशा पलभर का सुकून जरूर दे सकता है, लेकिन वह जीवनभर की पीड़ा का कारण भी बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि वे ऐसे किसी भी आकर्षण से दूर रहें, जो उन्हें गुमराह कर सकता है। कार्यक्रम में बच्चों ने भी नशा मुक्ति के संबंध में उत्साह से प्रश्नोत्तरी सत्र में भाग लियाए विजेता बच्चों को पुरस्कार भी वितरण किया गया । कार्यक्रम में पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई गई थी जिसका अवलोकन शिक्षकोंए छात्रों एवं उपस्थित लोगों ने किया।

कार्यक्रम के पश्चात सभी छात्रों को नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई । कार्यक्रम में गोलोक धाम के संचालक दीपक कपड़िया, समाज सेवी धर्मेंद्र सोनी, राजेश भगत, नंदकिशोर वाने आदि भी उपस्थित थे । कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन गुरुकुल के प्राचार्य श्री ठाकुर सर द्वारा किया गया।

एक पेड़ माँ के नाम : 30 हजार बीजों का रोपण

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर । जिले में कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देशानुसार जिला प्रसाशन द्वारा पर्यावरण सहेजने हेतु युद्धस्तर पर प्रयास जारी है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत वर्षा ऋतु के दौरान बीजारोपण एवं पौधारोपण गतिविधियां आयोजित कर बुरहानपुर को हराभरा बनाने की दिशा में प्रयास किये जा रहे है। इसी कड़ी में अपर कलेक्टर श्री वीरसिंह चौहान के मार्गदर्शन में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूली विद्यार्थियों एवं ग्रामीणजनों की भागीदारी से ग्राम डवाली खुर्द में पलाश के 30 हजार बीज रोपित किये गये। इन बीजारोपण गतिविधियों में स्कूली बच्चे एवं ग्रामीणजनों द्वारा भी बढ़.चढ़कर भागीदारी की जा रही है।

आगामी त्यौहारों को लेकर पुलिस एवं प्रशासन सतर्क

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर । कलेक्टर हर्ष सिंह, पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार द्वारा आगामी त्यौहार मोहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु निर्देशित किया गया था। निर्देशों के पालन में आज दिनांक 01/07/2025 एडीएम वीरसिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतरसिंह सिंह कनेश, डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार, एसडीएम अजमेर सिंह गोंड द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम बुरहानपुर में आगामी त्यौहार मोहर्रम, ताजिया, अखाड़ा एवं सवारी के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन हेतु आयोजकों एवं प्रशासनिक अधिकारी

गणमान्य नागरिकों की बैठक ली गई।

एडीएम बुरहानपुर वीरसिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतरसिंह सिंह कनेश द्वारा बैठक को संबोधित किया गया एवं शासन के दिशा.निर्देशों एवं गाइडलाइन का पालन करें। किसी भी कार्यक्रम को करने से पहले नियम अनुसार परमिशन निकाले। विशेष रूप से जुलूस मार्ग, समय सीमा, ध्वनि नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित की जा रही हैं ताकि त्यौहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो।

दूर दराज के ग्रामीण अंचलों में पहुंची कानूनी जानकारियां

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशिता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में प्रेमदीप सांकलाए व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बुरहानपुर द्वारा ग्राम पंचायत लोनी, बहादरपुर, बिरोदा, पातोण्डा में पृथक.पृथक कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री प्रेमदीप सांकला, व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बुरहानपुर द्वारा शासन द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु कई सारी योजनाएं संचालित है। माता.पिता को अपने बच्चों को उन योजनाओं के अंतर्गत लाभ दिलाना चाहिए। उन्हें स्कूल जाने, शिक्षा प्राप्त करने हेतु लगातार प्रेरित करना चाहिए। साथ ही बच्चों के मित्र बनके उनसे व्यवहार करना चाहिए। तभी बच्चें उनके मन की बात, उनका सुख.दुख उनके साथ साझा कर सकेंगे। उनके

द्वारा बाल अनुकुल विधिक सेवाएं, बच्चों से मैत्रीपूर्ण संबंध, शिक्षा का अधिकार, पॉक्सों एक्ट, बाल श्रम, तस्करी एवं वाणिज्यक यौन शोषण के पीड़ितो को विधिक सहायताए नशा उन्मूलन आदि आदि विषयों पर कानूनी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र जैन, पैरालीगल वोलेंनटियर द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर डा.किरण सिंह, पैरालीगल वोलेंनटियर, ग्राम पंचायत लोनी, बहादरपुर, बिरोदा, पातोण्डा सचिव एवं पदाधिकारी गण के साथ.साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

श्री बाल गजानन वाटिका में पीपल, गुलहर के पौधे रोपे

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर । उपनगर लालबाग से तीन किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत चिंचाला क्षेत्र के सतपुड़ा पर्वत पर प्राचीन श्री बाल गजानन मंदिर स्थित है रोजाना की तरह आज भी पर्यावरण प्रेमी कीर्ति कुमार जैन ने अपने मित्र मंडलियों के साथ निरंतर पौधे लगाते आ रहे आज वह पौधे पेड़ बन चुके सिंचाई की व्यवस्था न उपलब्ध होने पर छोटे.छोटे पानी के डेम बनाकर सोलर पंप से ड्रिप के माध्यम से इन पेड़ों की सिंचाई करते आ रहे आपको बता दे की हमेशा की तरह आज भी पीपलए जामुनए गुड़हल एनिमएके पौधे लगाए गए विशेषता यह है कि ठंडी गर्मी में भी रोजाना शंकर केदुलकर और राजू अन्य अपने साथियों के साथ पौधों को पानी देने पहुंचते हैं आज पीपल एजामुनए

गुलहर एनीम एके पौधे लगाए एवं शंकर तेंदुलकर एवं पर्यावरण प्रेमी कीर्ति कुमार जैन एवं उनके साथी अलग.अलग प्रयोग विधी से पौधे लगा रहे हैं पर्यावरण प्रेमी जैन ने जनता से अपील कि है अपने जन्म दिवस या अन्य कोई प्रोग्राम पर श्री बाल गजानन वाटिका में आए और इस वाटिका मे पौधे लगाए।

शहर में सड़कों की स्थिति बदतर, नेपा मिल गेट से लेकर 7 नंबर गेट तक रोड खराब

नगर पालिका का नहीं ध्यान, बारिश में भी कई सड़कें उखड़ी

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर । शहर में सड़कों की स्थिति काफी खराब है। नगर पालिका का इस तरफध्यान नहीं है। नेपा मिल गेट से लेकर सात नंबर गेट तक भी रोड खराब है। इस मार्ग पर कई जगह गड्ढे हो गए हैं। साथ ही रोड किनारे भी झाड़ियां ही झाड़ियां उग गई है। नगर पालिका में कर्मचारी भी हैं लेकिन इसके बाद भी इसकी सफाई नहीं कराई जा रही है।

लोगों के अनुसार नेपा मिल गेट के सामने ही एक बड़ा गड्ढा हो गया है। नगर पालिका की ओर से इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यहां

अकसर लोग हादसे का भी शिकार हो रहे हैं।

स्टेशन रोड पर भी जगह जगह गड्ढे:- इसी तरह स्टेशन रोड पर भी जगह जगह गढडे हो गए हैं। नगर में 34 करोड़ की पेयजल परियोजना के काम के समय जगह जगह रोड खोदकर पाइप लाइन डाली गई थी। बाद में रोड की लीपापोती कर दी गई। अब बारिश में इसकी पोल खुल रही है। आमजन को इससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्टेशन रोड पर भी सीमेंट से लीपापोती कर दी गई थीए लेकिन यह फिर से उखड़ रहा है।

नगर में चल रहे 5 करोड़ के विकास कार्य:- नगर में करीब 5 करोड़ की लागत से विकास कार्य कराए जा रहे हैए लेकिन इसके बाद भी कई जगह रोड की स्थिति खराब है। आमजन की मांग है कि नपा को अन्य वार्डों में भी काम कराना चाहिए। बारिश के समय जहां जहां आवागमन में परेशानी हो रही है उसका पेचवर्क कराया जाना चाहिए।

मालवा प्रान्त स्थापना दिवस

धुलकोट में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास मालवा प्रान्त का मनाया स्थापना दिवस

हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा प्राप्त करना है जो राष्ट्र हित और मानव सेवा के भी काम आ सकें

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर । शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली मालवा प्रान्त का स्थापना दिवस सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल धुलकोट में धूमधाम मनाया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती और मां भारती का पूजन वंदन कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहे श्री संतोष जी महाजन की गरिमामय उपस्थिति रही।

शासकीय महाविद्यालय धुलकोट की भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी प्रोफेसर डॉ महिमा बाजपई ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के स्थापना दिवस पर चर्चा करते हुए भारतीय ज्ञान परम्परा और शिक्षा के बारे में विस्तार से बताया कि हमारे देश की सनातन संस्कृति और ज्ञान परम्परा पर प्रकाश डालते हुए हमारी संस्कृति का अनुसरण करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष संतोष महाजन ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पंच प्रण और पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया। उन्होंने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की महत्ता को बताते हुए कहा की हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा प्राप्त करना है जो राष्ट्र

हित और मानव सेवा के भी काम आ सकें, केवल डिग्रियों का ढेर नहीं करना है शिक्षा को आत्मसात भी करना है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास मालवा प्रान्त बुरहानपुर जिला संयोजक डॉ.कृष्णा मोरे ने सर्वप्रथम 2 जुलाई न्यास की स्थापना की बधाई देते हुए ओम जी शर्मा भाई और श्री राम सागर मिश्र भाई साहब के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि ओम शर्मा भाई साहब शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के मध्यक्षेत्र संयोजक, राष्ट्रीय संयोजक आत्मनिर्भर भारत, राष्ट्रीय संयोजक शिक्षा से आत्मनिर्भरता का दायित्व का सफल संचालन कर रहे हैं, आपको तीन राज्यों का मध्य प्रदेश, गुजरात, गोवा का प्रभार दिया गया है।

जिला संयोजक बुरहानपुर के डॉ मोरे ने बताया कि 2 जुलाई 2004 को शिक्षा बचाओ के लिए जो आंदोलन का प्रारंभ हुआ, इसी कड़ी में वर्ष 2007 में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का प्रारंभ हुआ । शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का विचार सूत्र है. देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगाए मां मातृभूमि एवं मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं है, समस्या नहीं समाधान की चर्चा करें। उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पाठ्यक्रम में मातृभाषा की महत्ता और कौशल पूर्ण प्रशिक्षण पर बल दिया गया है और साथ ही उद्यमिता को इससे जोड़कर युवाओं को रोजगार के नए अवसर और स्किल्स प्रदान की जा रही है। हमें हमारी मातृभाषा पर गर्व करना होगा संस्कृत ज्ञान की वैज्ञानिक भाषा है हमें मातृ भाषा में शिक्षक का समर्थन करना होगा। भारतीय ज्ञान परंपरा शिक्षा को अधिक मानवीय और नैतिक बनती हैं तथा आधुनिक तकनीक के साथ इसका समन्वय भी आवश्यक है, नित नए शोध और डिजिटल संसाधनों का विकास तथा नवाचारों को जोड़कर हमारे शिक्षा संस्कृति का उत्थान करना होगा। युवाओं को हमारी पुरातन संस्कृति और सनातन परंपरा को समझना होगा। वर्तमान में आज हम अपनी मूल भाषा को भूलते जा रहे हैं और पश्चिमी संस्कृति की ओर विमुख होते जा रहे हैं। शारदा स्कूल झाबुआ में किए गए नवाचार की तरह तिथि अनुसार जन्म दिवस मनाने है का भी आह्वान किया।

कार्यक्रम में संतोष सेन ,संदीप जी धोपे ,जितेंद्र न्यादे ने भी सम्बोधित किया। संचालन डॉ कृष्णा मोरे ने किया।